

EMBELLISHMENT : विभूषणम् : v. Adornment, ornament.  
 EMBERS : मस्मन् (n.) : v. Ashes.  
 EMER-DAY : उपवासदिवसः (?).  
 EMBEZZLE : छद्मम् आत्मसात्करोति ( कृ, c. 8. ).  
 EMBEZZLEMENT : छद्ममात्मसात्करणम्; स्तेयम् (=theft).  
 EMBEZZLER : छद्ममात्मसात्कर्तृ ( f. त्रौ ) : v. Also thief.  
 EMBITTER : I. Lit. : तिकायते (nomi.). II. To distress : क्षिणति ( क्षि, c. 9. ). III. To exasperate : उत्कोपयति ( c. of कुप् ).  
 EMBLAZON : (1) मण्डयति ( मण्ड्, c. 10. ); (2) विभूषयति ( भूष्, c. 10. ).  
 EMBLAZONRY : पताकादिभिः मण्डनम् (?).  
 EMBLEM : (1) लक्षणम् ; (2) लाञ्छनम् ; (3) लिङ्गम्.  
 EMBLEMATIC.-AL : expr. by emblem : v. Symbolic.  
 EMBLEMATICALLY : लक्षणेन (?) : v. Also figuratively.  
 EMBODIMENT : I. Lit. : expr. by verb. II. Representation : Ph. : *e. of virtue* : सशरीरो धर्मः.  
 EMBODY : Lit. : देहेन or शरीरेण युनक्ति ( युज्, c. 7. ). II. To collect : q.v. : समाहरति ( हृ, c. 1. ).  
 EMBOLDEN : साहसं जनयति ( जन्, c. 10. ) : v. To encourage.  
 EMBOSS : उच्चरेखादिना तक्षति. ( तक्ष्, c. 1. ) (?).  
 EMBOWEL : I. To eviscerate : अन्त्राणि अपनयति ( नी, c. 1. ) : v. To remove. II. To embalm : q.v. III. To busy : q.v.  
 EMBOWERED : कुञ्जितः ( ता, तं ), नि-.  
 EMBRACE (v.) : I. To clasp : (1) आ-लिङ्गति, समा-, ( लिङ्, c. 1. ), *the father e. d him with open arms* : प्रसारितभुजयुगलस्तं पितालिङ्ग, K. (2) आश्लिष्यति, समा-, सं-, उप-, ( श्लिष्, c. 4. ), *e. d the pillar for a moment* : क्षणं स्तम्भमाश्लिषत्, Si. ; (3) स्वजते, परि-, ( स्वञ्ज्, c. 1. ), *e. ing her firmly* : तां दृढं परिष्वज्य, D. ; (4) उपगूहति ( गुह्, c. 1. ), *as if e. ing me with cool breezes* : शिशिरानिलैर्मासुपगूहतीव, R. ; (5) परिरमते ( रम, c. 1. ), *was (it) e. d with the eyes* : परिरेमे तु विलोचनाभ्याम्, Ki. II. To comprise : q.v. : क्रोडीकरोति, *from (its) e. ing also another sense* : अर्थान्तरस्यापि क्रोडीकरणत्,

Kuv. III. To accept : q.v. : परिगृह्णाति ( ग्रह्, c. 9. ).  
 EMBRACE (subs.) : (1) आलिङ्गनम् ; (2) आश्लेषः ; (3) परिरम्भः ; (4) परिष्वङ्गः ; (5) उपगूहनम् ; (6) आलिङ्गितम्.  
 EMBRASURE : छिद्रम् (=any aperture).  
 EMBROCATE : (1) मृदाति ( मृद्, c. 9. ); (2) संवाहयति ( c. of वह् ).  
 EMBROCATION : I. The act : (1) मर्दनम्, सं- ; (2) संवाहनम्. II. A lotion for e. : expr. by comp.  
 EMBROIDER : Ph. : *e. ed cloth* : कार्मिकवस्त्रम् ; *he knows how to e. cloth* : वस्त्रोपरि कर्म कर्तुं जानाति.  
 EMBROIDERER : कार्मिकवस्त्रकारः, and sim. comp.s.  
 EMBROIDERY : I. Variegated needle-work : Ph. : *this is gold e.* : \*स्वर्णकर्मतत् : v. To embroider. II. Fig., decoration : अलङ्कारः.  
 EMBROIL : आकुलीकरोति : v. To confound, perplex.  
 EMBROILMENT : संक्षोभः : v. Confusion, perplexity.  
 EMBRYO : I. Lit. : गर्भः or अपरिणतगर्भः. II. Fig. : *this work is in e.* : अपरिणतेयं कृतिः.  
 EMBRYONIC, EMBRYOTIC : अपरिणतः ( ता, तं ) (?).  
 EMEND : शोधयति ( c. of शुध् ) : v. To correct.  
 EMENDATION : शुद्धिः : v. Correction.  
 EMENDATOR : शोधकः, सं-, वि-, परि-.  
 EMERALD (subs.) : (1) मरकतः ; (2) हरिष्मणिः ; (3) गारुत्मतम् (m.).  
 EMERALD (adj.) : (1) expr. by tat. ; (2) मारकतः ( ती, तं ).  
 EMERGE : उन्मज्जति ( मस्ज्, c. 6. ), *e. ing from the river of arrows* : बाणनद्या उन्मज्जन्, Ki. ; *slowly e. d from the eastern ocean* : पूर्वपयोधेः शनैरुन्मज्जन्, Ki. : v. To rise.  
 EMERGENCE : उन्मज्जनम् : v. Rise.  
 EMERGENCY : I. Crisis, occasion : q.v. : सङ्कटम्. II. Exigency : q.v. : प्रयोजनम्.  
 EMERGENT : I. Lit. : उन्मज्जत् ( f. ती ). II. Critical : Ph. : *e. business* : आत्ययिकं कार्यम्, H.  
 EMERSION : I. Lit. : उन्मज्जनम्. II. Astro. : मोक्षः, Su.